

है। बेंच ने कहा है कि यदि यमुना का कायाकल्प किया जा सके है तो नातिथियों के जरिये या सीधे तौर पर प्रदूषकों को नदी में जाने से रोकना होगा। बेंच ने अपने आदेश में कहा है कि दिल्ली प्रदूषण निंत्रण समिति को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि प्रदूषणकारी उद्योगों को रोका जाए और नए उद्योगों को सुरक्षा उपायों के बिना अनुमति नहीं दी जाए।

एन.जीटी ने अपने आदेश की कॉपी दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव, जल बोर्ड, डीडीए उपाध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजने का निर्देश दिया है।

मप्र के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को गुमराह कर फर्जी उद्घाटन कराया



चर्चा है कि फिल्म कृष 4 के लिए श्रुतिक ने शाहरूख से भी हाथ मिलाया है। कहा जा रहा है कि श्रुतिक को इस फिल्म के प्राप्तिस्म और विजुलुअल इफेक्ट की जिम्मेदारी शाहरूख की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट को दी गई है। माना जा रहा है कि फिल्म में इस बार श्रुतिक बनाम कौटिल्य विलेन के बीच की लड़ाई होगी। जिसे हमें साफ़ देखने में सुपर विलेन को बनाने की जिम्मेदारी शाहरूख को दी गई है। कहा जा रहा है कि इस बार 'कृष जादू की भी वापसी होने जा रही है। गौरतलब 2003 में प्रदर्शित फिल्म 'कौटिल्य मिल गया' में ज की एक अहम भूमिका थी, जो बच्चों के बीच क हूआ था।

११ जुलाई १९६० को जन्में मनोज तुली उर्फ कुमार गौरव बचपन के दिनों से ही अपने पिता राजेंद्र कुमार को तरह अभिनेता बनना चाहते थे। कुमार गौरव ने अपने सिने करियर को शुरुआत अपने पिता की निमित्त वर्ष १९८१ में प्रशस्ति फिल्म लवस्टोरी से की। इस फिल्म की सफलता के बाद कुमार गौरव ने तेरी कसम, एन. लव्स और रोमांस जैसी फिल्मों में काम किया। हालाँकि तेरी कसम को छोड़कर फिल्मों बाक्स ऑफिस पर देख हो गयी।

देश की सरकार ने लागू कर रखी है। आईपीसी ने यह भी कहा था कि मैदान में किसी तरह का जख्म नहीं होना चाहिए जिसमें शारीरिक संपर्क आता हो लेकिन इन दिशा निर्देशों का पूरी तरह उल्लंघन हुआ और इस पर मैदानी अम्मायारों ने भी कोई ध्यान नहीं दिया। होल्डर ने जब भी डीआरएस लिया, खिलाड़ी एक-दूसरे के आसपास आकर खड़े हो गए और एक-दूसरे की पीठ थपथपाते रहे। विकेट गिसें का जख्म भी खिलाड़ियों ने एक-

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	दां	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दै	व		य	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

कहो तो कह दूँ ...

चैतन्य भट्ट

सारा लफड़ा तो मलाई का है पर क्या करें मलाई चीज ही ऐसी है

इन्तजार करते करते आँखें पथरा गई थीं , कान सूज पड़ गए थे, टांगें थरथराने लगी थीं , पेट में खलबली मची थी, हलक से थूक गुटकने तक मैं तकलीफ हो रही थी, तब लम्बे इन्तजार के बाद आखिर अपने मामा अपने मंत्रीमंडल का विस्तार कर पाए, पर अब गाड़ी अटकी है इन मंत्रियों को विभाग



आवटित करने कीध यानि गाड़ी स्टार्ट तो हो गयी है पर गेयर नहीं लग पा रहा है। मामा पिछले एक हफ्ते से वर्कआउट कर रहे हैं रोज पसीना बहा रहे है कि आखिर किसके हाथों में कौन से विभाग की बागडोर सौंप दें पर निबटारा हो नहीं पा रहा है। दरअसल पहले प्रदेश में मामा एक अकेले टाइगर

थे तो एकछत्र राज था उनका, पर अब एक नया टाइगर बाहर से आ गया है, जाहिर है अब दोनों ही टाइगर सत्ता रूपी टाइग्रेस यानि शेरनी को अपनी अंकशायनी बनाना चाहते हैं तो द्वंद तो होगा। असल में सारा लफड़ा है मलाई दार विभागों का, पुराना टाइगर चाहता है कि सारी मलाई उनके चले चपटियों के हाथ में आ जाये और दूसरा टाइगर कह रहा है कि तुम्हें मलाई हमारे कारण मिली है तो मलाई का सबसे यादा हकदार हमारा कुनबा होगा। वैसे एक बात तो है मलाई चीज ही ऐसी है, अब देखो न मलाई से मख्वन बनता है और ये मख्वन ऐसी अद्भुत चीज है कि जिसे लगा दो तो आपका मुरीद हो जाता है। इस मख्वन की बदौलत न जाने कितने कितने कठिन से कठिन काम आसान हो जाते हैं फिर मख्वन से भी भी निकलता है, भी खाने से शरीर तंदरुस्त रहता है भी की जरूरत हर चीज में पड़ती है। मिठाई में भी मलाई का बड़ा इंपोर्टेंस है रसगुल्ल, जलेबी, इमरती, धी में ही तली जाती है मिश्री मलाई नाम की मिठाई सारी मिठाइयों से यादा दाम में बिकती है। मलाई से रबड़ी भी बनती है।

छत्तेदार रबड़ी जिसे खुरचन भी कहा जाता है खाने का मजा ही कुछ और हैध रस मलाई जिसने न खाई हो ऐसा कोई इंसान इस दुनिया में नहीं है। होटल जाओ और मलाई कोफ्ता न खाओ तो जीवन जैसे अधूरा सा लगता है मैथी मटर मलाई के स्वाद की तो बात ही कुछ और हैह पुराने जमाने में जब चेहरे को चमकाने वाली क्रीमें बाजार में नहीं आई थी तब घर के बड़े बूढ़े रात को सोते वक्त बच्चों के चेहरे और हाँवों पर मलाई घिस देते थे और सुबह चेहरा चमकदार और चिकना हो जाता था। ठण्ड में होंठ फटने के प्रॉब्लम को यही मलाई रोक देती थी, अब भले ही दस तरह की क्रीमें बाजार में आ गयी हो पर ओरिजिनल खूबसूरती के लिए महिलायें आज भी मलाई ही चेहरे पर घिस घिस कर अपने चेहरे को हसीन बनाती हैं। अब आप खुद ही सोचो जब मलाई में इतने गुण है तो हर मंत्री चाहेगा कि यादा से यादा मलाई उसके हिस्से में आ जाए, पर इधर अपने नेता अजय विश्‍नोई ने एक बयान जारी कर करके दूसरे टाइगर के कुन्बे में हड़कंप मचा दियाह उन्होंने मामाजी को सलाह दे दी कि चुनाव तक इन मंत्रियों को विभाग न दिए जाएँ, अरे नेताजी अभी उन्हें चुनाव लड़ना है और आप तो बेहतर तरीके से जानते हो कि चुनाव जीतने के लिए कितना माल खर्चना पड़ता है चुनाव आयोग को छोड़ कर देश के हर एक नवजात शिशु तक को पता है कि चुनाव लड़ने में खर्च करने की जितनी सीमा है उससे दस बीस गुना माल लगता है तब कहीं जाकर चुनाव जीता जाता है, ऐसे में यदि उनकी विभाग नहीं मिला तो उन बेचारों की तो लाई ही लुट जायेगी ऐसा जुलुम मत करो नेताजी, आप भी उसी नाव में सवार होह अपना ख्याल तो ये है कि पुराने टाइगर को मलाई से भरी कड़ाही सबके सामने रख देना चाहिए जिसमें जितनी ताकत होगी वो उसनी मलाई लूट कर ले जाएगा इसके अलावा और कोई चारा बचा नहीं है अपने मामा के पास ।

जालसाज महिला चार साथी पहले ही पहुंच चुके हैं जेल, फर्जी डेथ सर्टीफिकेट बनाने वाला भी गिरफ्तार जीवित पति का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर तीन लोन माफ करवाए, खाली मकान को अपना बताकर 3 लाख रुपए एंटे पति को पता तक नहीं, अलग होकर कुछ सालों से आरोपी महिला अकेली रह रही है

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजधानी के कमला नगर पुलिस ने एक महिला जालसाज को गिरफ्तार किया है। उसने न केवल अपने जीवित पति के नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर अपने तीन लोन माफ करवा लिए, बल्कि एक सूने मकान को अपना बताकर तीन लाख रुपए की टोकन मनी भी ले ली। कमला नगर पुलिस को महिला की करीब एक साल से तलाश थी।

टीआई विजय सिसोदिया ने बताया कि बनवारी लाल नाम के एक युवक ने एक साल पहले धोखाधड़ी की शिकायत की थी। उनका आरोप था कि कोलीपुरा, जहांगीरवाद निवासी अंजना सिंह नाम की महिला ने उनसे कोटरा के एक मकान का सौदा किया था। इसके लिए उन्होंने उसे 3 लाख रुपए एडवांस में भी दिए थे। बाद में उन्हें पता



चला कि यह मकान तो किसी किसी और के नाम पर है। बनवारी लाल ने बताया कि अंजना ने अपना नाम पुष्पलता बताकर सौदा किया था। उन्होंने अंजना से इसके बारे में पूछताछ की तो वह गायब हो गई। इसके बाद पुलिस ने अंजना के चार साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह गायब थी। शुक्रवार को उसकी गिरफ्तारी हो गई। वह पति से अलग रहती है। उसका एक बेटा

और एक बेटी है। उसने बताया कि उसे कोटरा में एक मकान के कई दिनों से खाली पड़े होने की जानकारी मिली थी। उसने मकान की जानकारी जुटाकर पुष्पलता नाम से फर्जी कागजात तैयार करवाकर उसका सौदा बनवारी से कर लिया था।

भोपाल के बाहर भी फैलाया था जाल

अंजना उसके साथी विजय विश्वकर्मा के पास से पुलिस ने फर्जी दस्तावेज, सील,

पवन कुमार जैन ने खेल संचालक का पदभार ग्रहण किया

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल। विशेष पुलिस महानिदेशक श्री पवन कुमार जैन ने आज संचालक खेल और युवा कल्याण का पद भार ग्रहण कर लिया। संयुक्त संचालक एवं प्रभारी संचालक डॉ. विनोद प्रधान ने श्री पवन कुमार जैन को खेल संचालक का कार्य भार सौंपा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 1987 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी श्री पवन कुमार जैन को संचालक खेल और युवा कल्याण के पद पर पदस्थ किया गया है। इसके पूर्व वे विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर कार्यरत थे। नवागत खेल संचालक श्री पवन कुमार जैन के खेल और युवा कल्याण संचालनालय पहुंचने पर संयुक्त संचालक डॉ. विनोद प्रधान एवं श्री बी. एस. यादव सहित अन्य अधिकारियों ने



पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कोविड-19 संक्रमण के बचाव हेतु विभाग द्वारा की गई व्यवस्थाओं के साथ ही विभागीय योजनाओं और खेल गतिविधियों के संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक जानकारी हासिल की

और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

व्यवस्थाओं का जायजा

कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत संचालक खेल और युवा कल्याण श्री

पवन कुमार जैन ने टी.टी. नगर स्टेडियम परिसर स्थित विभिन्न खेल अकादमियों का भ्रमण कर खिलाड़ियों के लिए की गई व्यवस्थाओं और खेल सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मार्शल आर्ट हॉल, साईंस स्पोर्ट्स सेंटर, बैडमिंटन हॉल, कराते, फेंसिंग और व्हीएलसीसी अकादमी, बिलियर्ड-सूकर हॉल एवं जिम का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं की जानकारी हासिल की।

राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

खेल प्रेमी और साहित्यिक अभिरूचि रखने वाले श्री पवन कुमार जैन अपनी मातृभूमि चंबल क्षेत्र में सेवा कार्यों से जुड़े हैं। उन्होंने 21 विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से देश के प्रख्यात चिकित्सकों द्वारा मध्य प्रदेश, राजस्थान

और उत्तर प्रदेश के 50 हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों के नेत्र एवं दंत तथा पोलियो आपरेशन कराकर लाभ पहुंचाया है। जैन को समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्य के लिए 1997 में टी.पी. झुनझुनवाला समाजसेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2003 में उन्हें सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक तथा वर्ष 2013 में विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। भारतीय पुलिस सेवा में 1987 बैच के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पवन कुमार जैन सिविल सेवा परीक्षा 1986 में भौतिक शास्त्र जैसे विशुद्ध विज्ञान विषय को हिन्दी माध्यम में लिखकर चयनित होने वाले भारतीय पुलिस सेवा के पहले अधिकारी हैं।

लेबर बजट में की गई वृद्धि

वर्षाकाल में श्रमिकों को मिलेगा रोजगार : कार्य-योजना में बदलाव

नव प्रदेश संवाददाता

भोपाल । पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बारिश के मौसम में भी श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध करवाने के लिये कार्यों का चिन्हांकन किया गया है, जिससे श्रमिकों को रोजगार मिलता रहे। सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे सामुदायिक कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिये हैं, जिनमें अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो सके। मानसून अवधि में सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण, निजी भूमि पर फलोद्यान, मंदिर कुंज, हैबिटेट जल-संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप श्रमिकों को रोजगार देने के लिये मनरेगा योजना की कार्य-योजना में संशोधन कर चालू वित्तीय वर्ष के लेबर बजट को भी बड़या गया है। राज्य शासन द्वारा वापस लौटे प्रवासी श्रमिकों और पूर्व से कार्यरत श्रमिकों को वर्षाकाल में नियमित रोजगार उपलब्ध कराने के लिये मनरेगा की कार्य-योजना में संशोधन कर चालू वित्तीय वर्ष में पूर्व निर्धारित लेबर बजट 20 करोड़ 50 लाख मानव

दिवस को बढ़ाकर 34 करोड़ मानव दिवस किया गया है। कुल बजट वृद्धि में अतिरिक्त रूप से साढ़े 13 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित हो सकेगें। सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे सामुदायिक कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिये हैं, जिनमें अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो सके। मानसून अवधि में सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण, निजी भूमि पर फलोद्यान, मंदिर कुंज, हैबिटेट जल-संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुरूप श्रमिकों को रोजगार देने के लिये मनरेगा योजना की कार्य-योजना में संशोधन कर चालू वित्तीय वर्ष के लेबर बजट को भी बड़या गया है। राज्य शासन द्वारा वापस लौटे प्रवासी श्रमिकों और पूर्व से कार्यरत श्रमिकों को वर्षाकाल में नियमित रोजगार उपलब्ध कराने के लिये मनरेगा की कार्य-योजना में संशोधन कर चालू वित्तीय वर्ष में पूर्व निर्धारित लेबर बजट 20 करोड़ 50 लाख मानव

कार्यभार ग्रहण...



भोपाल (नवप्रदेश) । प्रोफेसर डॉ रविन्द्र कान्हेरे ने प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति के अध्यक्ष पद पर कार्यभार ग्रहण किया ।

इस अवसर पर प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति के अधिकारी एवं बहुत से विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित थे ।

किशोर वाधवानी परिवार द्वारा बनाई जाने वाली सुपारी ब्रांड दिल्ली पर 150 करोड़ का टैक्स बकाया

मामले में जांच के लिए डीजीजीआई की एक टीम महाराष्ट्र भी पहुंची

शहर के गुटखा-सिगरेट के रिटेल व थोक कारोबारियों से भी पूछताछ की जा रही है

नव प्रदेश संवाददाता

इंदौर। अवैध गुटखा और सिगरेट के कारोबार में 512 करोड़ रुपए की कर चोरी करने वाले किशोर वाधवानी के परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा भी सरकार को करोड़ों रुपए का चूना लगाया गया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस (डीजीजीआई) की जांच के दायरे में दिल्ली नामक सुपारी का ब्रांड भी आया है। इस ब्रांड पर भी टैक्स के 150 करोड़ रुपए बकाया है। जांच में इस बात का पता चला है कि यह सुपारी किशोर वाधवानी



परिवार के सदस्यों द्वारा ही बनाई जा रही थी। ऑपरेशन कर्क के तहत डीजीजीआई द्वारा शहर के गुटखा-सिगरेट के रिटेल व थोक कारोबारियों से भी पूछताछ की जा रही है। इस मामले में पूछताछ के लिए कई कारोबारियों को समस जारी किया गया है। मामले में जांच के लिए डीजीजीआई की एक टीम महाराष्ट्र भी पहुंची। लगभग 1.5 साल पहले महाराष्ट्र में सिगरेट व गुटखे की अवैध खेप पकड़ी गई थी। उस मामले में संजय माटा का नाम सामने आया था लेकिन बाद

में मामला रफा-दफा कर दिया गया। डीजीजीआई द्वारा सुपरी ब्रांड दिल्ली की भी जांच की जा रही है। सुपारी का यह ब्रांड एमएसएस फुड्स के नाम से रजिस्टर्ड है। नितेश वाधवानी, पूनम वाधवानी और अन्य इस कंपनी के निदेशक हैं। इस ब्रांड पर साल 2011 में कार्रवाई की गई थी। कंपनी पर 150 करोड़ रुपए का टैक्स बकाया है। जांच में इस बात के भी सबूत मिले हैं कि सुपरी के नाम पर इस कंपनी द्वारा सिगरेट व गुटखा का कारोबार करता था।